श्रमण १९९६ ०४ (फोल्डर नं. ०२५०२६)

सम्पादक - डॉ. अशोक कुमार सिंह,

डॉ. शिवप्रसाद, डॉ. श्रीप्रकाश पाण्डेय

मुख्य टाइटल

अनुक्रमणिका

पाणिनीय व्याकरण का सरलीकरण और आचार्य हेमचन्द्र – श्यामधर शुक्ल ----------३

वसुदेवहिंडी का समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. कमल जैन ---------- ११

हर्षपुरीयगच्छ अपरनाम मलधारीगच्छ का संक्षिप्त इतिहास – डॉ. शिवप्रसाद ---------- ३६

The Story of the Origin of Yapaniya Sect – Prof. S. M. Jain (Trans. Dr. Ashok Kumar Sinh) ---------- 71

Philosophical Aspects of Non-Violence – Dr. B. N. Sinha ---------- 84

साहित्य समीक्षा ----------११२

जैन जगत् ----------१२१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org